

॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः
 ॐ गणक्रीडाय नमः
 ॐ महागणपतये नमः
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः
 ॐ विश्वमुखाय नमः
 ॐ दुर्जयाय नमः
 ॐ धूर्जयाय नमः
 ॐ जयाय नमः
 ॐ सुरूपाय नमः
 ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः १०
 ॐ वीरासनाश्रयाय नमः
 ॐ योगाधिपाय नमः
 ॐ तारकस्थाय नमः
 ॐ पुरुषाय नमः
 ॐ गजकर्णकाय नमः
 ॐ चित्राङ्गाय नमः
 ॐ श्यामदशनाय नमः
 ॐ भालचन्द्राय नमः
 ॐ चतुर्भुजाय नमः
 ॐ शम्भुतेजसे नमः २०
 ॐ यज्ञकायाय नमः
 ॐ सर्वात्मने नमः
 ॐ सामबृंहिताय नमः
 ॐ कुलाचलांसाय नमः

ॐ व्योमनाभये नमः
 ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः
 ॐ निम्ननाभये नमः
 ॐ स्थूलकुक्षये नमः
 ॐ पीनवक्षसे नमः
 ॐ बृहद्भुजाय नमः ३०
 ॐ पीनस्कन्धाय नमः
 ॐ कम्बुकण्ठाय नमः
 ॐ लम्बोष्ठाय नमः
 ॐ लम्बनासिकाय नमः
 ॐ सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः
 ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः
 ॐ इक्षुचापधराय नमः
 ॐ शूलिने नमः
 ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः
 ॐ अक्षमालाधराय नमः ४०
 ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः
 ॐ विजयावहाय नमः
 ॐ कामिनी-कामना-काम-
 मालिनी-केलि-लालिताय नमः
 ॐ अमोघसिद्धये नमः
 ॐ आधाराय नमः
 ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः
 ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः

ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः
 ॐ कर्मसाक्षिणे नमः
 ॐ कर्मकर्त्रे नमः ५०
 ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः
 ॐ कमण्डलुधराय नमः
 ॐ कल्पाय नमः
 ॐ कपर्दिने नमः
 ॐ कटिसूत्रभृते नमः
 ॐ कारुण्यदेहाय नमः
 ॐ कपिलाय नमः
 ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः
 ॐ गुहाशयाय नमः
 ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः ६०
 ॐ घटकुम्भाय नमः
 ॐ घटोदराय नमः
 ॐ पूर्णानन्दाय नमः
 ॐ परानन्दाय नमः
 ॐ धनदाय नमः
 ॐ धरणीधराय नमः
 ॐ बृहत्तमाय नमः
 ॐ ब्रह्मपराय नमः
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः
 ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७०
 ॐ भव्याय नमः
 ॐ भूतालयाय नमः
 ॐ भोगदात्रे नमः

ॐ महामनसे नमः
 ॐ वरेण्याय नमः
 ॐ वामदेवाय नमः
 ॐ वन्द्याय नमः
 ॐ वज्रनिवारणाय नमः
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः
 ॐ विश्वचक्षुषे नमः ८०
 ॐ हवनाय नमः
 ॐ हव्यकव्यभुजे नमः
 ॐ स्वतन्त्राय नमः
 ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः
 ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः
 ॐ कीर्तिदाय नमः
 ॐ शोकहारिणे नमः
 ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः
 ॐ चतुर्बाहवे नमः
 ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०
 ॐ चतुर्थी-तिथि-सम्भवाय नमः
 ॐ सहस्रशीर्ष्णे पुरुषाय नमः
 ॐ सहस्राक्षाय नमः
 ॐ सहस्रपदे नमः
 ॐ कामरूपाय नमः
 ॐ कामगतये नमः
 ॐ द्विरदाय नमः
 ॐ द्वीपरक्षकाय नमः
 ॐ क्षेत्राधिपाय नमः

ॐ क्षमाभर्त्रे नमः	१००	ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः
ॐ लयस्थाय नमः		ॐ भगवते नमः
ॐ लङ्कुप्रियाय नमः		ॐ भक्तिसुलभाय नमः
ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः		ॐ याज्ञिकाय नमः
		ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः
सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http://stotrasamhita.net/wiki/Ganapati_Ashtottara_Shatanamavali. This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>